भारत एवं राजस्थान सरकार द्वारा विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

आरएनआई पंजीयन RAJHIN/2016/72902

डाक पंजीयन RJ/ UD/ 29-150/ 2023-2025

शब्द रंजन

संस्थापक एवं संरक्षक डॉ. महेन्द्र भानावत

विचार एवं जनसंवाद का पाक्षिक

वर्ष 8 | अंक 02 | उदयपुर बुधवार 01 फरवरी 2023 | पेज 8 | मूल्य 5 रू.

जादू-टोना, मन्तर-मूठ

राजस्थान में मूठ के पचासों किस्से-कहानी प्रचलित हैं। कई जानकार हैं। मूठ उड़द के दानों की चलती है। ये उड़द शव की खोपड़ी में बोये जाते हैं। पकने के बाद मन्त्र विशेष से ये उड़द फैंके जाते हैं। मक्खियों की तरह सर्र-से उड़द हमला करते हैं और जिस पर फैंके जाते हैं, उसके अंग-अंग में समा जाते हैं। फिर ऐसा कष्ट देना प्रारम्भ कर देते हैं कि तीर भी क्या कष्ट देता होगा!

यह मूठ ढाई घड़ी से लेकर ढाई दिन, ढाई महीने से लेकर छह महीने तक के समय की होती है। यह जिस व्यक्ति पर डाली गयी होती है वह व्यक्ति गलता रहता है और यदि समय पर किसी समझेबूझे से उसका उपचार नहीं हुआ तो अन्त में उसे मृत्यु को पाना होता है।

एक मूठ 'भैंसासुर' होती है जिसमें सांप के मुंह में उड़द बोये जाते हैं। वे जब पूरे पक जाते हैं, तब उन्हें मन्तर कर फैंका जाता है। यह मूठ आदमी द्वारा अनिष्ट के लिए किसी व्यक्ति पर ही फैंकी जाती है। औरतों पर मूठ प्राय: कम चलती है। समझेबूझे लोग मन्तरों के जरिये आयी मूठ को वापस भी कर देते हैं।

डायनों का संसार भी बड़ा विचित्र है। ये दो-ढाई अक्षर का मंत्र साधती हैं और हनुमानजी के मन्दिर में रात की ऐन बारह बजे नग्न हो पूजा करती हैं। इनकी नजर बड़ी खोटी होती है। अच्छे समझेबूझे इनकी पूरी खबर ले लेते हैं। तब जिस व्यक्ति के ये लगी होती है, उसके हाथों पर केंकड़े (तेल में भीगा कपड़ा जला कर) चिपकाये जाते हैं और उसके मुंह में उन्हें बुझाया जाता है। ऐसी स्थिति में जो डायन होती है, उसके हाथों तथा जीभ पर फफोले उठ आते हैं और वह जिसके लगी होती है उसका शरीर छोड़ देती है।

डायन (डाकण) के अतिरिक्त एक हींयारी होती है जो मनचाही चीज घरों से उड़ाने में समर्थ होती है। यह घी की बड़ी शौकीन होती है। अत: जब लोग छाछ फेरते हैं, तो घी को बान्ध देती है।

इसी तरह की एक जात सिकोतरी की होती है। यह सुगरी और नुगरी दोनों तरह की होती है। सुगरी जिसे लग जाती है, वह निहाल हो जाता है। मालामाल हो जाता है पर नुगरी बड़ी कष्टकारक होती है। कहते हैं, महाराणा प्रताप को सिकोतरी सिद्ध थी इसीलिए अकबर जैसा आक्रान्ता भी उनका लोहा मान गया।

बाल्यावस्था में जिसकी अगत मौत (अकाल मृत्यु) हो जाती है वह प्रेत योनि में जाता है। इसे माल्या कहते हैं। सगस (भेरू विशेष) के साथ इसकी स्थापना कर दी जाती है। लोगबाग माल्ये को बीड़ी, तमाखू, शराब, गांजा चढ़ाते हैं। इसका मुख्य भोपा तो धूजता (कांपता-भाव लाता) ही है, पर वहां बैठे पचास और व्यक्ति भी धूजते हैं।

माल्या का अलग से कोई मन्दिर-देवरा नहीं होता। यह अधिकतर बच्चों को लगता है, पर लड़कियों को भी लगते देखा गया है। इसके लगने वाले को उल्टियां होने लगती हैं। माल्या उतारने के लिए सात मुट्ठी अनाज उतार कर संध्या को चारों दिशाओं में फैंकने का टोटका किया जाता है।

टोटका में कई तरह के टोटके प्रसिद्ध हैं। एक टोटका खीलण का होता है जिसमें कपड़े का पुतला बनाकर जगह-जगह उसे कीलों से कील (खील) दिया जाता है। जहां-जहां से यह पुतला कीला जाता है, वहां-वहां से जिस आदमी पर टोटका किया जाता है, वह कील दिया जाता है।

ऐसी अवस्था में उस स्थान विशेष पर मृत्यु-तुल्य पीड़ा होती है। कभी-कभी गला कील देने से उसका खाना-पीना ही बन्द हो जाता है। जहां-जहां जोड़ होते हैं, वहां-वहां कील देने से सारे शरीर के जोड़ दर्द करने लग जाते हैं। यह पुतला कहीं पानी में पत्थर के नीचे रख दिया जाता है।

ज्यों-ज्यों पुतला गलता रहता है, त्यौं-त्यौं वह व्यक्ति अपने शरीर से गलता रहता है और कष्ट पाता रहता है। कभी यह पुतला चूल्हे के पास रख दिया जाता है। ऐसी स्थिति में जब-जब चूल्हा जलाया जाता है, तब-तब उस व्यक्ति का शरीर जलन के मारे बेचैन हो उठता है। राजस्थान की अपनी शोध-यात्राओं में मैंने ऐसे कई टोने-टोटके देखे-सुने हैं। यह बड़ा जबर्दस्त लोकविज्ञान है। मन्तर-मूठ और टोने-टोटके अब बहस और अविश्वास के विषय अधिक होते जा रहे हैं पर कोई जाकर इनसे साक्षात्कार करे, देखे तो उसकी समझ में आयेगा कि इनका अपना लोक कितना समृद्ध, सुघड़ और शान्त-क्रान्त है।

स्मृतियों के शिखर (157) : डॉ. महेन्द्र भानावत

कांच पर सोने का चित्रांकन देती थेवाकला

शिल्प-कलाओं की दृष्टि से राजस्थान का नाम दूर-सुदूर तक अनोखी पहचान दिये है। इनमें भी लोककलाओं का तो राजस्थान अजायबघर ही बना हुआ है। विविध भांति की कलाओं में काष्ठ, धातु, चर्म, प्रस्तर, कपड़ा, कागज, आंगन, भित्ति का सहरा लेकर जो चित्रकृतियां उकेरीं, उभरांकीं, खोदीं तथा माण्डी जाती रहीं वह उन कला-साधकों की ही अतुलनीय श्रम-साधना की नवोनमेषी कल्पना का सौंदर्य-कमाल ही है। इसे निहार कर दांतों तले अंगुली दबाना पड़ता है।

इनमें प्रतापगढ़ की थेवाकला अपनी अलग पहचान रखती है। यह लोककला याकि लोकशिल्प नहीं है और न अन्य कलाओं की तरह ही नामलेवा है। यह एकल कला, एक ही परिवार की कला और उसमें भी उस परिवार के पुरुष वर्ग की ही कला है। स्त्रियों में बहिन-बेटियों और उस परिवार में विवाह कर आने वाली बहुओं को इस कला की कोई जानकारी नहीं है। उसके निर्माण में उनकी कोई भागीदारी नहीं है। दबे मन से इस विरासत से जुड़े कहते भी हैं कि कभी कोई श्राप मिला था जिससे महिलाएं इसमें सहयोग नहीं करती हैं पर यह कथन सच नहीं लगता।

लगने को यह ज्यादा उचित लगा कि यदि यह कला अन्यों के हाथ लग गई तो जिनके पास यह है उनका एकाधिकार समाप्त हो जायेगा और इसका सीधा असर उनके धंधे अथवा आजीविका पर पड़ेगा। यही कारण है कि यह कला सत्रहवीं शताब्दी से अब तक एक ही सोनी परिवार के कब्जे में है। लोककला की तरह न तो यह अनेक लोगों, जाति, बिरादरी की होकर आम जनजीवन के उपयोग की है और न उस रूप में उसका विस्तृत फैला विस्तार लिए बाजार ही बना हुआ है।

प्रतापगढ़ मैं पहलीबार तो सन् 1954 में गया। छोटीसादड़ी के गोदावत जैन गुरुकुल में अध्ययन करते हाईस्कूल, दसवीं की परीक्षा का केन्द्र छोटीसादड़ी था सो वहां परीक्षा देने गया तब थेवाकला का मात्र नाम अवश्य सुना, याद पड़ता है। दूसरी बार आकाशवाणी केन्द्र उदयपुर द्वारा आयोजित कविसम्मेलन में गया। तीसरी

बार 17 फरवरी 1990 को अपने समधी के विवाहोत्सव पर गया। उसके बाद भी एकाध बार जाना हुआ।

वहां जिनसे मैंने भेंट की वे रामप्रसादजी सोनी थे। दो-एक घण्टे की वह बैठक रही होगी। रामप्रसादजी बड़े मिलनसार, मृदुभाषी और व्यवहार कुशल थे। मैंने जब थेवाकला के सम्बन्ध में जानने का परिचय दिया तो वे बड़े खुश हुए। वे प्रशंसनीय इसलिए भी लगे कि अपना चित्रकारी का काम छोड़ वे मुझसे मुखातिब होते मेरी आवभगत भी करते रहे और वांछित जानकारी से भी समृद्ध करते रहे।

उन्होंने बताया,- ''प्रतापगढ़ शासक सामन्तसिंह अपने समय में बड़े लोकप्रिय, प्रजाहितैषी और गुणीजनों के बड़े कद्रदान थे। उस समय हमारा सोनी परिवार साधारण परिवार ही था पर हमारे बड़ेरे नाथूलालजी थे जो सोने के कई तरह के आभूषण की घड़ाई के बड़े ऊंचे कलाकार थे। आभूषणों में जो भांतें, डिजाइनें चली आ रही थीं, उनके अलावा नित नया कुछ करने में उनका जीव लगा रहता था और मन में यह बात बैठी हुई थी कि कुछ ऐसा काम, ऐसी घड़ावत करके दिखाऊं कि महाराज की तबीयत खुश हो जाय और मुझ पर उनकी निगाह टिक जाय।

जहां चाह होती है वहां राह अपनेआप निकलती रहती है सो एकदिन उनके मन में आया कि सोने-चांदी के गहनों पर तो मरजी आये जितनी कला दिखाओ पर कांच पर यदि कोई सोने की खूबी कर दिखाये तो बात ही अलग होगी सो उन्होंने सबसे पहले एक अंगूठी बनाई और महलों में जाकर महाराज सामन्तसिंहजी को नजर कराई।

महाराज ने उसका मुलायजा कर प्रशंसा तो की ही पर प्रोत्साहन स्वरूप चार सौ बीघा जमीन बख्शीश में दी और 'राजसोनी' की उपाधि देकर उनकी हौंसला अफजाई की। वो दिन है और आज का यह दिन, तब से हम राजसोनी के नाम से चले आ रहे हैं। यही नहीं, महाराजा के जो भी अतिथि-मेहमान आते उन्हें वे हमारी कला नमूना ही भेंट करते। इससे बड़े हाथों का स्पर्श पाकर हमारी कला की बड़ी बड़ाई होती रही और हम भी बड़े लोगों की बड़ी आंखों के बड़े तारे बनते रहे। आप जैसे महानुभाव तो बहुत ही कम आते हैं जो इतनी पूछापाछी कर हमारी कला का लेखा कर जानकारी सबको परोसते हैं।''

थेवाकला के नामकरण के सम्बन्ध में रामप्रसादजी ने बताया कि कांच साधारण नहीं होकर बेल्जियम ग्लास काम में लिया जाता है। इस कला में चार इंच लम्बी और इससे एक इंच कम अर्थात् तीन इंच सोने की शीट लेकर उसे पीट-पीट कर पतली की जाती है। यह पिटाई की क्रिया थेरवा कहलाती है। मैं समझ गया, इसी कारण यह कला 'थेवाकला' नाम से जानी जाती है।

इस शीट को चांदी की रिंग, फ्रेम में फिट कर उस पर मनचाही सूक्ष्माकृतियां बनाई जाती हैं। चांदी की रिंग में सोने की शीट पर कांच को निश्चित आकृति दी जाती है। इस सम्बन्धी बहुत गहरी जानकारी में मैं नहीं जाना चाहता था इसलिए खोद-खोद कर प्रश्न-प्रतिप्रश्न नहीं निकालते, मैंने उन आभूषणों के नाम पूछे जो थेवाकला के नाम से अधिक चर्चित बने हुए हैं।

अपनी अलमारी में रखे बक्से को खोलते उन्होंने मुझे एक-एक आइटम दिखाया और सबसे पहले तो मुझे एक अंगूठी ही पहना दी जो मेरे पास अब भी सुरक्षित सम्भली हुई है। उसके बाद गले में पहनने का हार, कान में पहनने के पेंडल, एरिंग, पांवों में पहनने के पाजेब,

अंगुलियों में पहनने के बिछुए, छोटे-बड़े बॉक्स, इत्रदान, पानदान, श्रृंगारदान, कुरते के, कफ के बटन, तश्तरियां, मोर की नृत्याकृतियां, शिकार के विविध दृश्य, फूल-पत्तियां, रासलीला के दृश्य जैसे अनेक चित्रांकन देखते ही मन बाग-बाग हो उठा है।

इस कला का महत्त्वपूर्ण पक्ष यह है कि आभूषणों का मूल्य उनमें लगने वाली धतु सोना या कांच नहीं होकर कलाकार द्वारा की गई कारीगरी की कीमत ही अधिक होती है। इसके लिए बड़ी साधना, एकनिष्ठता तथा सधे हुए चित्र बनाने की कुशाग्रता, कल्पनाशील निपुणता जरूरी है। कांच पर सोने का जड़ाव जड़ने की यह कला अति गोपनीय होती हुई भी इतनी आरपार के देशों तक फैली हुई है कि कुछ कहते नहीं बनता। राजसोनी परिवार का शायद ही कोई सदस्य बचा होगा जिसे राज्यस्तरीय, राष्ट्रस्तरीय पुरस्कार नहीं मिला हो।

प्रख्यात लोकनर्तक तोलाराम नहीं रहे

उदयपुर। 27 जनवरी 2023 को प्रख्यात लोककलाकार एवं कठपुतली नर्तक तोलाराम मेघवाल (92) का निधन हो गया। उन्होंने महाराणा भूपालसिंह के फर्राशखाने में बालमजूर के रूप में नौकरी शुरू की। वहां डेरे-डेरे काम के दौरान वे बाल नर्तकी के भेष में महाराणा का भी मन बहलाव करते श्रीजी हजूर के मर्जीदान बन स्थापित कलाकार बन गये।

तोलाराम- डॉ. भानावत

सन् 1952 में जब देवीलाल सामर ने भारतीय लोककला मण्डल की स्थापना की तो तोलाराम की प्रतिभा को पहचान अपने यहां रख लिया। सामरजी के नेतृत्व में तोलाराम ने मुख्य नर्तक की भूमिका निभाते पणिहारी, मूमल महेन्द्र, ढोलामारू, म्हाने चाकर राखोजी जैसी नृत्यनाटिकाओं की प्रस्तुति से पूरे देश तथा विदेशों में धूम मचा दी।

यही नहीं, कठपुतली नाटिकाओं में भी दयाराम तुलाराम की जोड़ी ने कमाल दिखाते रूमानिया के 1965 में हुए विश्व कठपुतली समारोह में भारत का प्रतिनिधित्व करते 'मुगल दरबार' खेल की प्रस्तुति में सर्वोच्च पुरस्कार जीत कर पूरे विश्व में भारतीय कठपुतलियों को दम घुटती स्थिति से उबार कर विश्वस्तर पर पहुंचा दिया।

तोलाराम ने कलामण्डल में रह कच्छीघोड़ी नर्तक के रूप में भी अच्छी पहचान बनाई। दयाराम के भवाई नृत्य में स्टूल पर चढ़कर सिर पर मटके-पर-मटके रखने में भी तोलाराम की भूमिका सराही गई वहीं कठपुतली की गेंद नर्तकी को अपनी अंगुलियों की जादुई करामात से नकल को असल में परिवर्तित कर साक्षात् नर्तकी की भ्रांति देने में भी कमाल दिखाया। कलामण्डल में मेरा-उनका ढाई-तीन दशकों का सार्थक साथ रहा। अभी पिछले माह ही राजस्थान की संगीत नाटक अकादमी ने उनकी कलाधर्मिता को रेखांकित करते उन्हें कला पुरोधा के रूप में 51,000 रूपयों के पुरस्कार से सम्मानित करने की घोषणा की थी। काश! वे हमारे बीच रहकर इस सम्मान को प्राप्त कर पाते!

तोलारामजी के परिवार वालों ने तब मुझे कहा भी था कि 'दीया तले अन्धेरा' कहावत आज भी चरितार्थ हो रही है पर रमेश बोराणाजी के प्रति आभार के लिए हमारे पास कोई शब्द नहीं कि उन्होंने इस ढलती उम्र में भी उन्हें पहचाना और हम सबमें गौरवान्वित होने का भगीरथ भाग्य जगाया। शब्द रंजन की हार्दिक श्रद्धांजलि।

- डॉ. महेन्द्र भानावत

देश की आजादी में सुभाषचन्द्र बोस का महत्वपूर्ण योगदान

उदयपुर (ह. सं.)। सुभाषचन्द्र बोस की जयंती पर युवा क्रांति द्वारा वाहन रैली निकाली गई। युवा क्रांति संगठन के संस्थापक आकाश वागरेचा ने बताया कि रविवार 22 जनवरी को वाहन रैली को भाजपा के वरिष्ठ नेता चुन्नीलाल गरासिया एवं वरिष्ठ नेत्री किरण जैन ने रवाना किया। रैली मल्लातलाई स्थित सुभाष चौराहा पर संपन्न हुई। सभा में भाजपा के वरिष्ठ नेता चुन्नीलाल गरासिया, शांतिलाल चपलोत, रवीन्द्र श्रीमाली, चंद्रगुप्तसिंह चौहान, कर्नल कुमारसिंह राव, मनोहर चौधरी, राजेश वैष्णव, सोनिका जैन, शैलेंद्र सिंह, मदन दवे सहित पार्षद एवं भाजपा नेता उपस्थित थे।

आमसभा में किरण तातेड़ ने नेताजी की जीवनी पर प्रकाश डाला। चुन्नीलाल गरासिया, शांतिलाल चपलोत, रवीन्द्र श्रीमाली, कर्नल गुमानसिंह राव ने कहा कि देश की आजादी में नेताजी द्वारा दिया गया नारा 'तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा' कभी भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने कभी अपने सिद्धांतों के साथ समझौता नहीं किया। यही वजह थी कि जब वे दोबारा कांग्रेस के अध्यक्ष चुने गए तो वैचारिक मतभेदों के चलते उन्होंने इस्तीफा भी दे दिया था।

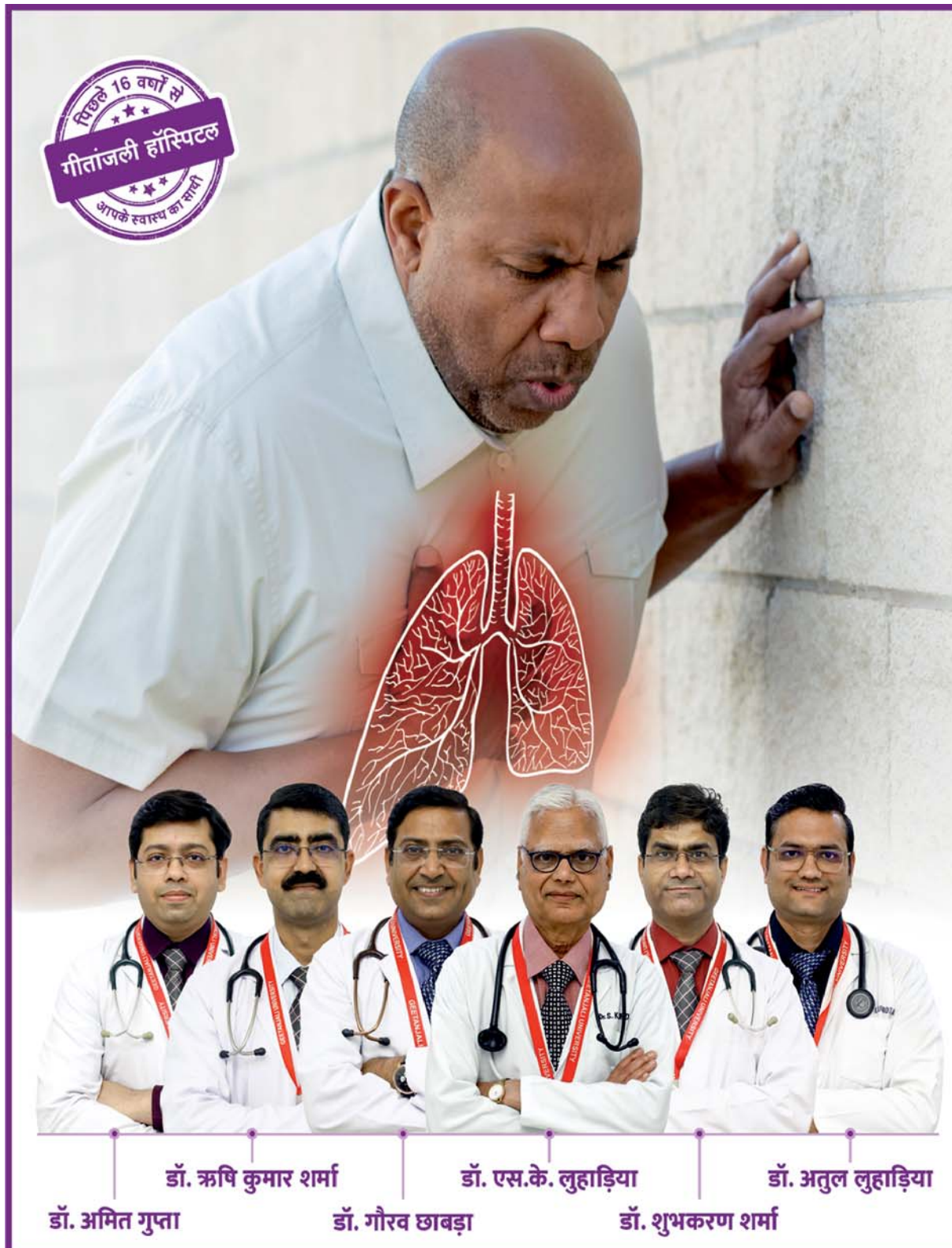

पिछले 16 वर्षों से गीतांजली हॉस्पिटल आपके स्वास्थ्य का साथी
NABH ACCREDITED H-2018-0535
GMCH GEETANJALI HOSPITAL HEALTH IS HAPPINESS
MC-3461
NABH ACCREDITED BB-2022-0130
फेफड़ों से संबंधित किसी भी समस्याओं के लिए
दक्षिणी राजस्थान में गीतांजली हॉस्पिटल के
एडवांस्ड रेस्पिरेटरी मेडिसिन एवं पल्मोनोलोजी विभाग
की अनुभवी विशेषज्ञों की टीम से अवश्य मिलें।
रेस्पिरेटरी मेडिसिन एवं पल्मोनोलोजी संबंधित उपलब्ध सुविधाएँ
• विशेषज्ञों से परामर्श (ओ.पी.डी.)
• एलर्जी टेस्ट
• पल्मोनरी रिहैबिलिटेशन
• फ्लू एवं निमोनिया से बचाव के टीके
• इंटरकॉस्टल ड्रेनेज ट्यूब प्रोसिजर
• सी.टी.स्केन व सोनोग्राफी गाईडेड बायोप्सि
• भर्ती सुविधा
• पी.एफ.टी. (स्पाइरोमेट्री), डी.एल.सी.ओ.
• प्ल्यूरल फ्लूइड एस्पिरेशन
• टी.बी. के निदान हेतु बलगम की जाँच
• बलगम का सीबीनाट टेस्ट
• टी.बी. आइसोलेशन वार्ड्स
• रेस्पिरेट्री आई.सी.यू.
• 6 मिनट वॉक टेस्ट
• स्लीप स्टड़ी लेब
इंटरवेंशनल पल्मोनोलॉजी प्रोसिजर
• ब्रोन्कोस्कोपी
• थोरैकोस्कोपी
• फेफड़ो में गाँठ, संक्रमण, फइब्रोसिस, मिडिएस्टेनल मास या लिम्फनोड के निदान हेतु ब्रोन्कोस्कोपी बायोप्सि, टी. बी. एन.ए., टी.बी.एल.बी. व छाती में बार–बार पानी भरने के निदान व इलाज हेतु थोरैकोस्कोपी एवं प्लूरोडेसिस की सुविधाएँ।
डॉ. अमित गुप्ता
डॉ. ऋषि कुमार शर्मा
डॉ. गौरव छाबड़ा
डॉ. एस.के. लुहाड़िया
डॉ. शुभकरण शर्मा
डॉ. अतुल लुहाड़िया
मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना
राजस्थान गवर्नमेंट हैल्थ स्कीम (RGHS)
• भूतपूर्व सैनिक अंशदायी स्वास्थ्य योजना (ECHS) • कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ESIC) • उत्तर पश्चिमी रेलवे (NWR) • हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड (HZL)
• स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया (SBI) • भारत संचार निगम लिमिटेड (BSNL) • भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (AAI) • भारतीय खाद्य निगम (FCI)
• राजस्थान राज्य खान एवं खनिज लिमिटेड (RSMM) • सभी महत्वपूर्ण टी.पी.ए. (TPA) व इन्श्योरेन्स से अधिकृत।
For Career Opening Scan & Apply
गीतांजली मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल
नेशनल हाईवे-8 बायपास, एकलिंगपुरा चौराहा के पास, उदयपुर (राज.)
+91 294 250 0044

शब्द रंजन

उदयपुर, बुधवार 01 फरवरी 2023

सम्पादकीय

देशज भाषा का ममत्त्व

देशज भाषा का ममत्त्व हर प्राणी के लिए सर्वोपरि है। ज्यों-ज्यों हम ऊंची पढ़ाई करते हैं त्यों-त्यों बड़ा और अच्छा दिखने के लिए अपनी निज भाषा को छोड़ते जाते हैं। इसके दुष्परिणाम बाद में महसूस होते हैं। जो चीजें हमारे परिवार-समाज-समूह और गांव में प्रचलित हैं, उनसे सम्बन्धित शब्दावली से हमारी पीढ़ियां अपना काम निकाल लेती हैं परन्तु अपने दायरे से विमोह होने पर व्यक्ति कुछ दूसरा होने में ही अपनी बड़ाई समझता है। इस चक्कर में गांव-के-गांव खाली होते जा रहे हैं।

मेवाड़ की ही बात करें। यहां आदिवासियों में गवरी नृत्य बड़ा प्रभावी है। यह अनुष्ठानिक नृत्य है। इसे देवी की आज्ञा से भील लोग प्रारम्भ कर जहां-जहां उनकी बहिन-बेटियां ब्याही होती हैं, वहां-वहां सवा माह तक प्रदर्शित करते हैं।

पढ़े-लिखे गवरी पर अध्ययन करते हैं तो वे उनसे पूछताछ नहीं करते हैं जो उसे अपनाये हुए हैं। हम अन्य भाषाओं में उसका उद्भव और अर्थ निकालते हैं। ऐसा हुआ है जबकि गवरी से तात्पर्य गवर-पार्वती से है।

भीलों में गवरी नाम भी प्रचलित है। गवरी, गवर, गवदल, गौरां; ये सब पार्वती यानी गौरांदे के नाम हैं। गणगौर त्यौहार का अध्ययन करने पर इन सबका खुलासा हो जायेगा।

लेकिन मजे की बात यह रही कि गवरी का अंग्रेजीकरण होने पर फिर उससे हिन्दीकरण कर हमारे ही विद्वानों ने 'गावदी' एक नया शब्द दिया। उन्हें पता नहीं कि मेवाड़ में गावदी का अर्थ गंवार से है।

एक शब्द वलूमना। इसका अर्थ लिपटने से है। जब बच्चा मां से लिपट जाता है तो कहा जाता है, वलूम गया। अपभ्रंश में भी यह शब्द इसी अर्थ में है। जैसे 'वच्छ वलूमे वेलड़ी, नरां विलूंणी नार।' वेलड़ी और नार शब्द भी मेवाड़ी में हैं। नार से तात्पर्य नारी से है। वृक्ष से जैसे वेल लिपटती है वैसे नर से नारी लिपटती है। लोकगीतों में नार शब्द नारी के लिए आया है जैसे - 'एक टका री पिया नौकरी जी, लाख टका री घर री नार' और इधर गिरनार शब्द पर जायें तो जो पहाड़ सबसे बड़ा है वह गिर है, गिरनार उसका नार रूप है।

जूतों के जरबा, खारड़ा, पगरखा शब्द प्रचलित हैं। इनके स्त्रीवाची शब्द हैं जूती, जरबी, खारड़ी और पगरखी। आम बोलचाल में इनके पतित अर्थ हैं। वैसे ही मुहावरे हैं।

एक शब्द है अरोगो। मेहमान को भोजन परोसने के बाद खाने के लिए अरोगो शब्द का उच्चारण किया जाता है किन्तु जानकारी के अभाव में एक व्यक्ति इसलिए चुप बैठा रहा कि अरोगो आना शेष है। बाद में उसे अपनी नासमझ का भान हुआ तो शर्मिन्दगी ही मिली। इसी प्रकार दस्यापरात शब्द टट्टी जाने और नाड़ा छोड़ पेशाब करने के लिए कहा जाता है। पहले पाजामा पहना जाता जो नाड़े से बांधा जाता। उसका बन्धन छाड़ने पर ही पेशाब करना सम्भव होता है।

अनेक शब्द जो बोलने में दुरुह होते हैं उनका सरलीकरण भी बड़ा सुखद लगता है जैसे लक्ष्मण का लखन, लछमन और शत्रुघ्न को भरत की तुक में चरत कहा जाता है।

लड़कियों का जन्म प्राय: नकारा, अवांछित, अनचाहा ही समझा गया। इसीलिए उनके नाम भी बगदी, रोड़ी, अणचाही मिलते हैं। अधिक लड़कियों वाली माता का गडूरी नाम गांवों में आज भी प्रचलन में है।

गणतंत्र दिवस पर शब्द रंजन के सभी विज्ञापनदाताओं, प्रबुद्ध पाठकों, संवाददाताओं तथा सहयोगियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

40 मिनट में 21 हजार 58 पेड़-पौधों के बीज बोकर गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया

उदयपुर (ह. सं.)। मेवाड़ के पूर्व राजपरिवार के सदस्य डॉ. लक्ष्यराजसिंह ने शनिवार को बीज भविष्य का अभियान के तहत मात्र 40 मिनट में विभिन्न प्रकार के 21 हजार 58 पेड़-पौधों के बीज बोकर गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया है। मेवाड़ ने सिटी पैलेस स्थित जनाना महल में यह विश्व कीर्तिमान स्थापित किया। डॉ. लक्ष्यराजसिंह ने कहा कि उन्होंने भूमि-पर्यावरण संरक्षण का संदेश जन-जन तक पहुंचाने के लिए यह पहल की, क्योंकि वर्तमान में ग्लोबल वार्मिंग की समस्या सबसे ज्यादा चिंतित कर रही है। अब तक डॉ. लक्ष्यराजसिंह समाज सेवा-पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में सर्वाधिक 7 गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड स्थापित कर विश्व में मिसाल पेश कर चुके हैं।

संसदीय लोकतंत्र और मीडिया विषयक वेबिनार आयोजित

जयपुर (ह. सं.)। जयपुर से प्रकाशित मीडिया त्रैमासिक कम्युनिकेशन टुडे की 68वीं वेबिनार 22 जनवरी को 'संसदीय लोकतंत्र और मीडिया' विषय पर आयोजित की गई।

भारत के विधि आयोग के सदस्य प्रो. आनंद पालीवाल ने भारतीय संसदीय प्रणाली के विकास की स्थितियों पर चर्चा करते हुए कहा कि भारतीय संविधान निर्माताओं ने संविधान में 'स्टेबिलिटी' के स्थान पर 'रिस्पांसिबिलिटी' को अधिक प्राथमिकता दी है । सुखाड़िया विवि उदयपुर के समाज विज्ञान फैकल्टी के चेयरमैन सुरेंद्र कटारिया कहा कि हमारे संविधान की रचना इस प्रकार से की गई है कि उसके मूल ढांचे के साथ किसी प्रकार की छेड़छाड़ न हो तथा उसका संघीय एवं संसदीय स्वरूप कायम रहे है। उनका मानना था कि लोकतंत्र हमारे संस्कारों में पूरी तरह रच बस गया है।

जयपुर के वरिष्ठ पत्रकार त्रिभुवन का मानना था कि मीडिया लोक आकांक्षाओं का संवाहक बन सकने में सक्षम है। उन्होंने अपेक्षा की कि मीडिया व्यापक रूप से जन सरोकारों से जुड़ा रहे। मीडिया को अवरुद्ध करने के प्रयासों के उदाहरण देते हुए उन्होंने मीडिया की स्वतंत्रता को कायम रखने की आवश्यकता रेखांकित की।

विषय प्रवर्तन करते हुए कम्युनिकेशन टुडे के संपादक एवं राजस्थान विश्वविद्यालय में जनसंचार केंद्र के पूर्व अध्यक्ष प्रो. संजीव भानावत ने कहा कि मीडिया संसद और जनता के मध्य एक पुल का कार्य करता है। उन्होंने संसदीय कार्यवाही की रिपोर्टिंग के संसदीय प्रावधानों का उल्लेख किया। तकनीकी पक्ष आईआईएमटी यूनिवर्सिटी, मेरठ की डॉ. पृथ्वी सेंगर ने संभाला। वेबिनार में देश के विभिन्न प्रांतों के 246 प्रतिभागियों ने अपना पंजीयन कराया।

अपनों से अपनापन पाकर धन्या धन्य हुई

उदयपुर। गणतंत्र दिवस पर अपने सफल जीवन के 80 वर्ष पूर्ण कर डॉ. महेन्द्र भानावत की भानजी धन्याबाई ने अपने पीहर-ससुराल के परिजनों के अलावा दूर-नजदीक के मिलने वाले स्नेहीजनों का अपनों से अपना मिलन 'सुखदा समागम' रखा।

इस आनन्दमयी अवसर पर उपस्थित जनों में ठेठ ग्राम्यजीवन के कृषक वर्ग से लेकर कस्बाई तथा शहरी जीवनधर्मिता से जुड़े पांच-पांच पीढ़ी तक की संतति से आपस में जो मिलनाचारा रहा वह अलग से अद्भुत यादों में खोया रहा।

अनेकों ने धन्याबाई की पिछले वर्ष हरिशरण हुई माता सोहनबाई के 100 वर्षीय आदर्श एवं संस्कारी जीवन को याद करते धन्या को उसका प्रतिरूप माना वहीं धन्या ने वहां उपस्थित अपनों से अपनापन पाकर अपने जीवन को धन्य संतोषी माना।

अस्सी घाट नहाकर धन्या जल में जलज हुई
जैसे दीवा बाती बनकर हर्षित हुई रूई।
शत वर्षीय मातृ छाया पा हितकारिणी बनी सुखदा
अपनों से अपनापन पाकर धन्या धन्य हुई।।

ऐसे स्मरणीय अद्भुत उत्सव पर भानावत परिवार द्वारा धन्यभाग्या धन्या का आत्मीय अभिनन्दन किया गया। अभिनन्दन आलोक के साक्षी बने डॉ. महेन्द्र भानावत, डॉ. तुक्तक-रंजना भानावत, डॉ. कहानी-जितेन्द्रजी मेहता, रूचिरा एवं आशिष डूंगरवाल।

डॉ. छापरवाल को फेलो ऑफ इंडियन कॉलेज ऑफ फिजीशियन की मानद उपाधि

उदयपुर (ह.सं.)। शहर के वरिष्ठ फिजीशियन डॉ. जे. के. छापरवाल को उनकी चिकित्सा जगत में दी गयी उल्लेखनीय सेवाओं, अध्यापन सेवा तथा संवेदनशील व्यवहार के लिए फेलो ऑफ इंडियन कॉलेज ऑफ फिजिशियन की मानद उपाधि अहमदाबाद में एसोसिएशन ऑफ फिजीशियन द्वारा आयोजित कार्यक्रम में प्रदान की गई। कार्यक्रम में ख्यातनाम फिजिशियन डॉ. सुधीर भंडारी ने देश के 129 भारतीय व 4 विदेशी विशेषज्ञों को फेलोशिप प्रदान कर सम्मानित किया।

इस मौके पर चिकित्सा अध्यापक डॉ. बी. एस. बम को बेस्ट टीचर अवार्ड दिया गया। कार्यक्रम में नाथद्वारा के वरिष्ठ फिजीशियन डॉ. राजेंद्र प्रसाद शर्मा तथा चित्तौड़गढ़ के डॉ. सुनील जैन को भी सम्मानित किया गया। एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. गिरीश माथुर ने डॉक्टर रोगी संबंध में वर्तमान समय में स्पष्टता की आवश्यकता प्रतिपादित की। संचालन डॉ. ए. एम. भगवती एवं आभार डॉ. नंदिनी ने जताया।

74 वां गणतंत्र दिवस

भारत का संविधान
उद्देशिका

हम, भारत के लोग, भारत को एक **संपूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी पंथनिरपेक्ष लोकतंत्रात्मक गणराज्य** बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को :

सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक **न्याय,**
विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म
और उपासना की **स्वतंत्रता,**
प्रतिष्ठा और अवसर की **समता**
प्राप्त कराने के लिए,
तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और
राष्ट्र की एकता और अखंडता
सुनिश्चित करने वाली **बंधुता** बढ़ाने के लिए

दृढ़संकल्प होकर **अपनी इस संविधान सभा में** आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई. (मिति मार्गशीर्ष शुक्ला सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को **एतद्द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।**

मूल कर्तव्य

भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह -

(क) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्र ध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(ख) स्वतंत्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आंदोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(ग) भारत की प्रभुता, एकता और अखंडता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(घ) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(ङ) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो, ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध है;
(च) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परंपरा का महत्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(छ) प्राकृतिक पर्यावरण की, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणि मात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(ज) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(झ) सार्वजनिक संपत्ति को सुरक्षित रखे और हिंसा से दूर रहे;
(ञ) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरंतर बढ़ते हुए प्रयत्न और उपलब्धि की नई ऊंचाइयों को छू ले;
(ट) यदि माता-पिता या संरक्षक है, छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बालक या प्रतिपाल्य के लिए शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

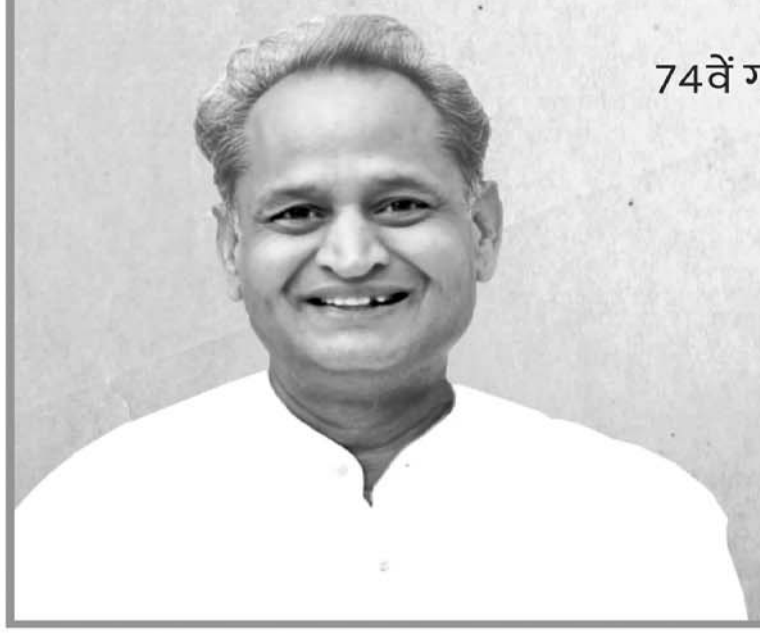

74वें गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर पर मूल कर्तव्यों को अंगीकृत कर हम सब सत्य, अहिंसा और शांति के मार्ग पर चलते हुए प्रदेश को उन्नति की ओर बढ़ाएं।

सभी प्रदेशवासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।

जय हिन्द, जय भारत

अशोक गहलोत, मुख्यमंत्री, राजस्थान

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, राजस्थान

राजस्थान संवाद

बाजार / समाचार

यश पेप्सी के ब्रैंड एंबेसडर बने

उदयपुर (ह. सं.)। बेवरेज ब्रैंड पेप्सी ने मेगास्टार यश को अपना ब्रैंड एंबेसडर बनाया है। सुपरस्टार यश ने हर तरह की भौगोलिक बाधाओं से परे जाकर अपने अभिनय का लोहा मनवाया है और बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त सफलता हासिल की है। पेप्सी और यश के बीच की यह साझेदारी भारत के युवाओं के बीच चर्चा का विषय बनेगी।

सौम्या राठौड़, कैटेगरी लीड, पेप्सी कोला, पेप्सीको इंडिया, ने कहा कि रॉकिंग स्टार यश के साथ मिलकर काम करने को लेकर हम बेहद उत्साहित हैं। यह ऐसा नाम है जो निडरता और जीवन को अपनी शर्तों पर जीने की भावना को वास्तविक अर्थों में परिभाषित करता है। हम 2023 में पेप्सी के सफर को लेकर उत्साहित हैं क्योंकि हम अभिनेता को बिल्कुल नए अवतार में पेश करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं जिससे पेप्सी के प्रशंसकों में नई ऊर्जा का संचार होगा। यश ने कहा कि मैं पेप्सी के साथ जुड़ने और इस बेहतरीन ब्रैंड का चेहरा बनने को लेकर बेहद खुश हूं। मैं पूरी तरह खुलकर जीवन जीने, हर पल का आनंद लेने और अपनी इच्छाओं को पूरा करने में भरोसा करता हूं जो पेप्सी के दर्शन से मेल खाता है।

एचडीएफसी की कन्याकुमारी में पहली शाखा शुरू

उदयपुर (ह. सं.)। एचडीएफसी बैंक ने कन्याकुमारी शहर में अपनी पहली शाखा खोली है। यह शाखा देश के सुदूर दक्षिण भाग के केप रोड पर स्थित है और देशभर में सेवाएं प्रदान करने की अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत करती है। शाखा का उद्घाटन एचडीएफसी बैंक के प्रबंध निदेशक और सीईओ शशिधर जगदीशन ने किया। इस अवसर पर एचडीएफसी बैंक की वरिष्ठ प्रबंधन टीम के सदस्य संजीव कुमार, शाखा बैंकिंग प्रमुख – तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी और इलामुरुगु करुणाकरन, सर्किल प्रमुख – मदुरै भी उपस्थित थे।

कन्याकुमारी भारत के दक्षिणी सिरे पर तमिलनाडु का एक तटीय शहर है और एक प्रसिद्ध पर्यटन स्थल है। नई शाखा 1,00,000 ग्राहकों को श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ बैंकिंग उत्पाद और सेवाएं प्रदान करेगी। इनमें महिलाएं, वरिष्ठ नागरिक, खुदरा विक्रेता, व्यापारी, एनआरआई, सरकारी विभाग, निजी संस्थान और स्टार्ट-अप शामिल हैं। यह भारत में अधिक से अधिक बैंक रहित/कम बैंक सुविधा वाले लोगों तक बैंकिंग सेवाओं को ले जाने की सुविधा भी प्रदान करेगा। तमिलनाडु में एचडीएफसी बैंक की यात्रा 1995 में शुरू हुई जब उसने राज्य में चेन्नई-आईटीसी सेंटर शाखा में अपनी पहली शाखा खोली। वर्तमान में, बैंक की तमिलनाडु के 39 जिलों के 180 शहरों/कस्बों में 476 शाखाएँ हैं। यह नई शाखा एचडीएफसी बैंक द्वारा राज्य के 24 सरकारी स्कूलों को स्मार्ट स्कूलों में अपग्रेड करने की घोषणा के तुरंत बाद आई है।

अर्बन स्क्वायर मॉल सबसे बड़ी आउटडोर एवं इनडोर पेंटिंग के लिए पुरस्कृत

उदयपुर (ह. सं.)। अर्बन स्क्वायर मॉल को दुनिया की सबसे बड़ी आउटडोर और इनडोर पेंटिंग के निर्माण के लिए जीनियस फाउंडेशन के वर्ल्ड रिकॉर्ड से दो प्रमाणपत्र प्रदान किये गये हैं। भूमिका ग्रुप के एमडी उद्धव पोद्दार ने ये प्रमाणपत्र ग्रहण किये।

उद्धव पोद्दार ने कहा कि वर्ल्ड रिकॉर्ड ऑफ़ इंडिया का मिलना एक सामूहिक उपलब्धि है जिसमें टीम के हर सदस्य की भागीदारी है। अर्बन स्क्वायर मॉल में 'जोकर' का दुनिया का सबसे बड़ा बाहरी (आउटडोर) भित्ति चित्र है जिसका पैमाना 284 वर्गमीटर (21.26 × 13.3 मीटर) का है। यह हमारे प्रोजेक्ट से लोगों को जोड़ने के लिए मुख्य आकर्षण का काम करेगा। यह अर्बन स्क्वायर मॉल के प्लाजा क्षेत्र में स्थित है और इसे केवल 8 दिनों में क्रिएटिव आर्टिस्ट निलेश खरेड़े द्वारा 48 लीटर ऐक्रेलिक पेंट द्वारा बनाया गया है।

इसके साथ ही सबसे लंबी इनडोर पेंटिंग के निर्माण का भी सम्मान अर्बन स्क्वायर मॉल को मिला है। इसमें बॉलीवुड के 9 सुपर स्टार अभिनेताओं के चित्र बने हैं। इस इनडोर पेंटिंग का पैमाना 232 वर्गमीटर (39.38 × 5.87 मीटर) का है और इसे 12 दिनों में बनाया गया है।

पवन सोलंकी, अध्यक्ष, विश्व रिकॉर्ड्स इंडिया एंड जीनियस फाउंडेशन ने कहा कि दुनिया की सबसे लंबी इनडोर पेंटिंग और सबसे बड़ी आउटडोर पेंटिंग के लिए अर्बन स्क्वायर मॉल को दिया गया प्रमाणपत्र उदयपुर को आज एक नई विश्वव्यापी पहचान देता है। यह हमें वैश्विक स्तर पर छाप छोड़ने वाली प्रतिभा और उपलब्धियों पर बहुत खुशी है।

'कृष्ण साहित्य के विविध संदर्भ' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी

उदयपुर (ह. सं.)। मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग द्वारा 'कृष्ण साहित्य : विविध संदर्भ' पर 20-21 जनवरी को राष्ट्रीय संगोष्ठी हुई। विभागाध्यक्ष डॉ. नीतू परिहार ने कहा कि श्रीकृष्ण भारतीय संस्कृति के आदर्श, बहुआयामी व्यक्तित्व के धनीं, तत्ववेदा एवं कर्मयोगी हैं। उनकी सभी लीलाएं अद्भुत, मनमोहक तथा प्रेरणादायी हैं।

मुख्य अतिथि प्रो. रामसेवक दुबे ने श्रीकृष्ण की रासलीला, माखनलीला, श्रीकृष्ण चरित्र पर विस्तृत प्रकाश डालते हुए कहा कि वे जन्म से ही भगवान थे तथा महाभारत के सूत्रधार ही नहीं, शास्त्रों के जनक माने जाते हैं। मुख्य वक्ता डॉ. कृष्णचंद्र गोस्वामी ने श्रीकृष्ण- राधा की प्रेम भक्ति एवं शक्ति की विस्तार से व्याख्या की।

विशिष्ट अतिथि राजश्री चौधरी ने कहा कि उनकी बाललीला, रासलीला और उनके द्वारा दिया गया श्रीमद्भगवत गीता का उपदेश हर काल में सार्थक रहेगा। संगोष्ठी अध्यक्ष सी. आर. देवासी ने कहा कि श्रीकृष्ण का व्यक्तित्व इतना विराट और अद्भुत था कि हम कितने ही शोध करते जाएं, पूर्ण नहीं हो सकते। कार्यक्रम में नीतू परिहार लिखित दो पुस्तकों का विमोचन किया गया।

विचार सत्र में प्रो. श्रद्धा सिंह, शास्त्री डॉ. कौशलेंद्र दास, डॉ. गजेन्द्र मीणा, डॉ. नवीन नंदवाना ने विचार रखे। तकनीकी सत्र की अध्यक्षता प्रो. के.के. शर्मा ने की। डॉ. नवनीत प्रिया शर्मा एवं डॉ. आशीष सिसोदिया ने विचार प्रस्तुत किए। संचालन डॉ. देवेंद्र शर्मा एवं डॉ. निर्मला राव ने किया। दूसरे दिन के मुख्य अतिथि बी. एल. चौधरी ने कहा कि भक्ति का मार्ग जो भी चुने वह हमें तब तक प्राप्त नहीं होगा जब तक हम उसकी गहराई में नहीं जाएंगे। कृष्ण को जानने के लिए हमें कृष्णमय होना होगा।

प्रो. नरेंद्र मिश्र ने कहा कि कृष्ण कहीं जगन्नाथ हैं तो कहीं व्यंकटेश, कहीं गोपाल तो कहीं विट्ठलनाथ तो कहीं श्रीनाथजी के रूप में विराजे हैं। डॉ. नीता त्रिवेदी ने प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। डॉ. नीरज शर्मा, प्रो. प्रदीप त्रिखा, प्रो. महिपालसिंह राठौड़, डॉ. जितेंद्रसिंह, डॉ. चंद्रशेखर शर्मा ने विचार व्यक्त किये। द्वितीय तकनीकी सत्र में प्रो. संजीव दुबे, डॉ. मंजू त्रिपाठी, डॉ. कहानी भानावत, डॉ. प्रेमशंकर ने अपने विचार प्रस्तुत किये।

सड़क पर मिला आईफोन लौटाकर दिया ईमानदारी का परिचय

उदयपुर (ह. सं.)। न्यू भूपालपुरा मेन रोड़ पर रंजना भानावत को एक आईफोन पड़ा मिला जिसे फोनधारक को लौटकर ईमानदारी का परिचय दिया है। हुआ यूं कि सोमवार सायं पांच बजे जब रंजना न्यू भूपालपुरा की मुख्य सड़क से गुजर रही थी तब उन्हें एक आईफोन मिला। यह फोन अरिहंत नगर निवासी शशांक शर्मा का था जिसे बुलाकर उन्होंने तत्काल फोन लौटा दिया।

निःशुल्क नेत्र सेवा प्रकल्प
सोमवार से शनिवार तारा संस्थान
के नेत्र चिकित्सालय तारा नेत्रालय में निःशुल्क
PHACO पद्धति द्वारा मोतियाबिन्द ऑपरेशन,
नेत्र परीक्षण एवं लेन्स प्रत्यारोपण तथा चश्मे के नम्बर
236, सेक्टर 6, हिरण मगरी (जे.बी. हॉस्पीटल के पास वाली गली),
उदयपुर - 313002 (राज.) भारत (+91) 9549399993, 9649399993

रजिस्ट्रेशन नं. 1311 वाई दिनांक : 07.09.1963 फोन नम्बर (0294) 2413680, 2413522
PAN No. AAAAUO159K GST No. 08AAAAUO159K1ZD E MAIL ID - usutbludr@yahoo.com
USUTB Ltd SINCE 1963
उदयपुर सहकारी उपभोक्ता थोक भण्डार लि.,
(Regd Under the Rajasthan Co-op. Societies Act.1953)
शास्त्री सर्कल, उदयपुर (राज.) 313001
गणतंत्र दिवस पर भण्डार के सभी सदस्यों एवं उपभोक्ताओं को हार्दिक शुभकामनाएं
भण्डार के सदस्यों को वर्ष 2019-20 व 2020-21 का लाभांश वितरण किया जा रहा है
राज्य सरकार द्वारा हिस्सा राशि 500 रू. करने से जिन सदस्यों की हिस्सा राशि 100 रू. जमा है वे 400 रू. ओर जमा कर हिस्सा राशि पूर्ण करें।
(अश्विनी कुमार वशिष्ठ) प्रशासक
(आशुतोष भट्ट) महाप्रबन्धक

केबिनेट मंत्री खाचरियावास ने फहराया राष्ट्रीय ध्वज

उदयपुर (ह. सं.)। जिला मुख्यालय पर 74वें गणतंत्र दिवस का मुख्य समारोह गांधी ग्राउण्ड पर उमंग और उत्साह के साथ मनाया गया। मुख्य अतिथि खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति व उपभोक्ता मामले मंत्री प्रतापसिंह खाचरियावास ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और परेड का निरीक्षण किया। राज्यपाल के संदेश का वाचन अतिरिक्त जिला कलेक्टर प्रशासन ओ. पी. बुनकर द्वारा किया गया।

खाचरियावास ने कहा कि राजस्थान में गत 4 वर्षों में सुशासन का सपना साकार हुआ है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के नेतृत्व में जन कल्याणकारी सरकार ने महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम विद्यालय, मुख्यमंत्री कन्यादान योजना, मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना, पालनहार योजना सहित विभिन्न योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन होकर अंतिम छोर तक बैठे व्यक्ति को लाभ पहुंचा है। राजस्थान पहला राज्य है जहां प्रत्येक व्यक्ति को दस लाख का स्वास्थ्य बीमा उपलब्ध कराया गया है। राजस्थान में बेरोजगारी दर भी कम है और निरंतर रोजगार के अवसर प्रदान किए जा रहे हैं। खाचरियावास ने कहा कि इस वर्ष भी राजस्थान सरकार युवाओं के लिए विशेष बजट लाने जा रही है एवं राजस्थान में किए गए विकास कार्य पूरे देश में उदाहरण पेश कर रहे हैं तथा राजस्थान द्वारा लागू योजनाओं को अन्य प्रदेश भी लागू कर रहे हैं।

समारोह में शहीद लेफ्टिनेंट अभिनव नागौरी के पिता धर्मचन्द्र नागौरी व माता सुशीला नागौरी, शहीद मेजर मुस्तफा के पिता जकीरूद्दीन व माता श्रीमती फातिमा, शहीद रतनलाल मीणा की धर्मपत्नी पुष्पा देवी, दिवंगत सैनानी कन्हैयालाल की पत्नी चांद कुंवर एवं मोहनलाल तेजावत की पत्नी शंकरदेवी का शॉल व श्रीफल भेंट कर सम्मान किया गया।

इस अवसर पर 55 प्रतिभाओं और 5 संस्थाओं को सम्मानित किया। समारोह में मूक बधिर विद्यालय एवं माउंट व्यू स्कूल के छात्र-छात्राओं द्वारा व्यायाम की प्रस्तुति दी गई। रॉयन पब्लिक उच्च माध्यमिक विद्यालय सेक्टर 4 के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत नृत्य की प्रस्तुति ने सभी का मन मोह लिया। पुलिस विभाग द्वारा योग व व्यायाम की प्रस्तुति विशेष आकर्षण का केन्द्र रही। स्काउट गाइड द्वारा तैयार किया गया आकर्षक तोरण द्वार आगंतुकों के लिए सम्मोहन का केंद्र रहा।

समारोह में जिला प्रमुख सुश्री ममता कुंवर, नगर निगम महापौर गोविंदसिंह टांक, उपजिला प्रमुख पुष्कर तेली, पूर्व विधायक वन्दना मीणा, समाजसेवी लक्ष्मीनारायण पंड्या, के.जी. मून्दडा, दयालाल चौधरी, दिनेश श्रीमाली, संभागीय आयुक्त राजेन्द्र भट्ट, आईजी प्रफुल्ल कुमार, जिला कलक्टर ताराचंद मीणा, डीआईजी राजेन्द्र प्रसाद गोयल, जिला पुलिस अधीक्षक विकास शर्मा, जिला परिषद सीईओ मयंक मनीष, एडीएम सिटी श्रीमती प्रभा गौतम, गिर्वा एसडीएम सलोनी खेमका, पार्षद अरुण टांक सहित अन्य पार्षदगण व अन्य जनप्रतिनिधि, प्रमुख समाजसेवी, विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं पुलिस अधिकारी मौजूद रहे। अंत में रेजीडेंसी बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय की अध्यापिकाओं ने राष्ट्रगान की प्रस्तुति दी। संचालन राजेन्द्र सेन, डॉ. सीमा चम्पावत व रागिनी पानेरी ने किया।

हिन्दुस्तान ज़िंक

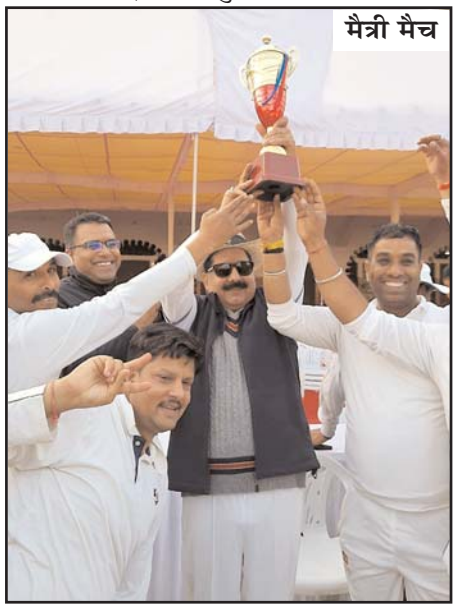
मैत्री मैच

गीतांजली यूनिवर्सिटी

नारायण सेवा संस्थान

जनार्दनराय नागर

मैत्री क्रिकेट मैच में प्रशासन विजयी :

समारोह पश्चात प्रशासन और पत्रकारों के मध्य मैत्री क्रिकेट मैच का आयोजन हुआ। जिला कलेक्टर की कप्तानी में प्रशासन की टीम ने कपिल श्रीमाली की कप्तानी में खेल रही पत्रकारों की टीम को परास्त किया। पत्रकारों की टीम ने निर्धारित 15 ओवर में पहले बल्लेबाजी करते हुए 75 रन बनाए। जवाब में प्रशासन की टीम ने 12 ओवर में 76 रन बनाकर मैच जीत लिया। इसके बाद सम्भागीय आयुक्त राजेन्द्र भट्ट के आग्रह पर पुन: 5-5 ओवर का लघु मैच खेला गया जिसमें प्रशासन की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 63 रन का लक्ष्य दिया। जवाब में पत्रकारों की टीम 40 रन से हार गई।

अंत में सम्भागीय आयुक्त राजेन्द्र भट्ट ने कहा कि उन्हें पत्रकारों के साथ खेला गया यह मैच हमेशा याद रहेगा। इससे सभी से मिलने और एक दूसरे को जानने का शानदार अवसर प्राप्त हुआ है। कलेक्टर ताराचंद मीणा ने कहा कि पत्रकारों की टीम तैयारी करते रहें एवं आगामी राजीव गांधी शहरी ओलंपिक में शीघ्र ही प्रशासन-पत्रकारों के मध्य क्रिकेट मैच आयोजित होगा।

हिन्दुस्तान ज़िंक के प्रधान कार्यालय में 74वां गणतंत्र दिवस समारोह उमंग और उत्साह के साथ मनाया गया। हिन्दुस्तान ज़िंक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अरूण मिश्रा ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और सभी को गणतंत्र दिवस की शुभकानाएं देते हुए कहा कि देश का संविधान दुनिया का सबसे बड़ा संविधान है एवं हस्तलिखित है। हमारे संविधान को बनाने वालों ने हमें सही राह पर चलने के लिए मार्गदर्शन दिया है हम सबकी जिम्मेदारी है कि हम इसके प्रति अपनी सच्ची श्रृद्धा से पालना करते हुए देश को आगे बढ़ाने में अपनी भूमिका निभाएं। इस अवसर पर हिन्दुस्तान ज़िंक के कर्मचारी, अधिकारी एवं उनके परिजन भी उपस्थित थे।

गीतांजली यूनिवर्सिटी में गणतंत्र दिवस समारोह के मुख्य अतिथि गीतांजली ग्रुप के चेयरमैन जे.पी. अग्रवाल थे। गेस्ट ऑफ़ ऑनर वाईस चेयरमैन कपिल अग्रवाल, एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर अंकित अग्रवाल, वाईस चांसलर डॉ. एफ. एस मेहता तथा चीफ पैट्रंस में जीएमसीएच डीन डॉ. डी. सी. कुमावत, जीएमसीएच सीईओ प्रतीम तंबोली, जीएमसीएच मेडिकल सुप्रीटेनडेंट डॉ. कर्नल सुनीता दशोत्तर, जीडीआरआई प्रिंसिपल डॉ. निखिल वर्मा, जीसीपी प्रिंसिपल डॉ. पल्लव भटनागर उपस्थित रहे। जे.पी. अग्रवाल ने ध्वजारोहण किया। संचालन जीएम एचआरबीपी राजीव पांडेय एवं डॉ. उदीची द्वारा किया गया। समारोह में गीतांजली में 10 वर्ष से कार्यरत डॉक्टर्स, फैकेलिटीज एवं एंप्लोईज को फैसिलिटेशन अवार्ड से नवाजा गया। अंत में 200 छात्रों द्वारा एक ही स्टेज पर गाला प्रस्तुति दी गई।

नारायण सेवा संस्थान के मानव मंदिर परिसर में संस्थापक पद्मश्री कैलाश मानव व कमलादेवी एवं अंकुर कॉम्प्लेक्स में अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इस अवसर पर आयोजित सांस्कृतिक समारोह के मुख्य अतिथि सरदार सुरेंद्र सिंह सलूजा थे। कार्यक्रम में स्वतंत्रता सेनानी ललित मोहन शर्मा को कमला देवी व निदेशक वंदना अग्रवाल ने पाग, उपरणा व अभिनंदन पत्र भेंट कर सम्मानित किया। संस्थान के उन 6 विद्यार्थियों को भी पुरस्कृत किया गया जिन्होंने जिला स्तरीय जिम्नास्टिक प्रतियोगिता में स्वर्ण, रजत व कांस्य पदक जीते। प्रज्ञा चक्षु व मूक बधिर बच्चों की प्रस्तुतियों को खूब सराहा गया। संयोजन महिम जैन ने किया।

जनार्दनराय नागर राजस्थान विद्यापीठ डीम्ड टू बी विश्वविद्यालय में मुख्य अतिथि ले. जनरल एन. के. सिंह राठौड़, कुल प्रमुख भंवरलाल गुर्जर, कुलपति प्रो. एस. एस. सारंगदेवोत, प्रो. जी.एम. मेहता ने झण्डारोहरण कर मार्च पास्ट की सलामी ली।

प्रो. सारंगदेवोत ने कहा कि बीते 73 वर्षों में हमने अनेक क्षेत्रों में उपलब्धियां हासिल की है लेकिन अभी भी ऐसे कई लक्ष्य हैं जो बहुत दूर हैं। हमें कभी नही भूलना चाहिए कि गणतांत्रिक व्यवस्था में बेहतर गण से ही बेहतर तंत्र का निर्माण होता है। भारत लोकतंत्र की जननी होने के साथ विश्व की प्राचीनतम जीवंत सभ्यताओं में से एक है। जनरल एन. के. सिंह ने व्यक्तित्व चरित्र, अनुशासन, आत्मविश्वास, समय पाबंदी का जीवन में महत्त्व के साथ परिवार, समाज, देश के प्रति निष्ठा की बात कही। एनसीसी केडेट्स, होम्योपेथी चिकित्सा महाविद्यालय, फिजियोथेरेपी चिकित्सा महाविद्यालय, बीएड, एमएड, एसटीसी, ओसीडीसी, कन्या महाविद्यालय के 1500 से अधिक विद्यार्थियों ने मार्च पास्ट किया। संचालन डॉ. अमी राठौड, डॉ. हरीश चैबीसा ने किया। विजेताओं को स्मृतिचिन्ह एवं प्रमाणपत्र प्रदान किये गये।

PIMS हॉस्पिटल, उमरड़ा

हमारे सुपरस्पेशियलिस्ट रखें हर पल आपके स्वास्थ्य का खयाल...

नशा मुक्ति एवं परामर्श केन्द्र

PIMS हॉस्पिटल, उमरड़ा

यहाँ पर हर प्रकार का नशा जैसे–

शराब, गांजा, स्मैक, चरस, गोली, भांग, अफीम,स्मैक, ब्राउन शुगर, हेरोइन,तम्बाकू, सिगरेट, बीड़ी, कैप्सूल, सीरप, इंजेक्शन, पेट्रोल / डीजल / केरोसीन, फ्लूड, मोबाईल/ इन्टरनेट एडिक्शन आदि का उपचार व परामर्श दिया जाता है।

नशा एक बुरी लत है तथा यह एक Progressive Disease है।
परिवार में किसी को भी उपरोक्त में से किसी भी प्रकार का नशा होने पर उपचार के लिए PIMS हॉस्पिटल, उमरड़ा के डी–एडिक्शन सेंटर में तुरंत सम्पर्क करें

मानसिक रोग

डिप्रेशन, चिड़चिडापन, उदासी, ड़र, भय, टेंशन, सिरदर्द (माइग्रेन), अनिद्रा, अनचाहे विचार, शक करना, साफ सफाई का अत्यधिक ध्यान रखना, लॉक बार–बार चेक करना, अपने आप से बातें करना, गुस्सा आना, यौन समस्या

व्यसन मुक्ति विशेषज्ञ

डॉ. बी. के. पुष्प
मनोचिकित्सक

इंद्रपाल सालवी
मनोवैज्ञानिक

FIND YOUR FUTURE

SAI TIRUPATI UNIVERSITY
UMARDA, UDAIPUR
Approved under Section 2(f) of UGC Act 1956

VENKTESHWAR INSTITUTE OF PARAMEDICAL SCIENCES
Diploma (2 Years) — Approved by RPC
- Radiation Technology
- ECG Technology
- Operation Theater Technology
- Cath Lab Technology
- Medical Laboratory Technology

PACIFIC INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES
Approved by NMC
- M.B.B.S. (4.5 Years + 1 Year Internship)
- MD/MS (3 Years)
- M.Sc. in Medical Sciences [Non-Clinical] (3 Years)

VENKTESHWAR SCHOOL OF NURSING
- G.N.M. (3 Years) — Approved by INC

VENKTESHWAR COLLEGE OF NURSING
Approved by INC
- B.Sc. Nursing (4 Years)
- M.Sc Nursing (2 Years)
- Medical Surgical Nursing
- Community Health Nursing
- Child Health Nursing
- Mental Health Nursing
- Obstetric & Gynaecological

VENKTESHWAR INSTITUTE OF PHARMACY
Approved by PCI
- D.Pharm. (2 Years)
- B. Pharm. (4 Years)

VENKTESHWAR COLLEGE OF PHYSIOTHERAPY
- B.P.T. (4.5 Years)
- M.P.T. (2 Years)

VENKTESHWAR INSTITUTE OF FASHION TECHNOLOGY & MASS COMMUNICATION
- Diploma
- B.Voc.
- B.Des.
- Advance Diploma
- M.Voc.
- M.Des.
- Fashion Designing
- Interior Designing
- BFA
- MFA
- Fine Arts
- D-JMC
- BA-JMC
- MA-JMC
- Journalism & Mass Communication

VENKTESHWAR INSTITUTE OF MANAGEMENT
MBA (Hospital Administration & Health Care Management)

RESEARCH PROGRAM
Ph.D. (Nursing and Non-Clinical Medical Sciences)

Web: www.saitirupatiuniversity.ac.in | Email: info@saitirupatiuniversity.ac.in | Phone: 9587890082, 9358883194

Umarda Railway Station Road, Umarda, Udaipur-313015 (Raj.)

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक डॉ. तुक्तक भानावत द्वारा 352, कृष्णपुरा, सेंटपॉल स्कूल के पास, उदयपुर - 313001 (राज.) से प्रकाशित एवं मुद्रक लोकेश कुमार आचार्य द्वारा मैसर्स पुकार प्रिंटिंग प्रेस 311-ए, चित्रकूट नगर, भुवाणा, उदयपुर (राज.) से मुद्रित। सम्पादक : रंजना भानावत। फोन : 0294-2429291, मोबाइल - 9414165391, Email : shabdranjanudr@gmail.com, drtuktakbhanawat@gmail.com, सर्व विवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर होगा।